

# छह साल में शेयर बाजारों का सबसे खराब हाल

समी मोडक मुंबई, 30 मार्च

वित्त वर्ष 26 में भारत के बेंचमार्क सूचकांकों ने पिछले छह सालों में अपना सबसे कमजोर प्रदर्शन किया है। इस साल भू-राजनीतिक झटके, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और विदेशी निवेश के लगातार बाहर जाने जैसी घटनाएं हुईं। इस कारण भारत के इंडेक्स दुनिया के ज्यादातर दूसरे बाजारों से पीछे रह गए।

इस वित्त वर्ष के दौरान निफ्टी 50 में 5.1 फीसदी की गिरावट आई जबकि संसेक्स 7.1 फीसदी नीचे आया। महामारी से प्रभावित वित्त वर्ष 20 के बाद दोनों सूचकांकों का यह सबसे खराब प्रदर्शन था। व्यापक बाजारों का मिला-जुला हाल रहा। जहां निफ्टी मिडकैप 100 में 1.9 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई, वहीं निफ्टी स्मॉलकैप 100 में करीब 6 फीसदी की गिरावट आई।

वित्त वर्ष 26 में भारत का बाजार पूंजीकरण 41.2 लाख करोड़ रुपये पर करीब-करीब स्थिर रहा जबकि 2 जनवरी, 2026 को उसने 48.1 लाख करोड़ रुपये का शिखर छुआ था जहां से यह नीचे आया। कंपनियों की आय में सुधार के बल पर पहले नौ महीनों में एक अंक में वृद्धि दर्ज करने के बाद वैश्विक निवेश में अचानक आए बदलाव और सेक्टरल कमजोरी के कारण बाजारों की रफ्तार धीमी पड़ गई। एआई में वैश्विक रूप से आगे कंपनियों को पूंजी का आवंटन बढ़ा तो घरेलू आईटी शेयरों में



अभूतपूर्व बिकवाली हुई और विदेशियों की लगातार निकासी हुई। इन सबने बाजार के सेंटिमेंट पर भारी असर डाला। निफ्टी आईटी इंडेक्स फरवरी में 19.5 फीसदी गिर गया जो सितंबर 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के बाद से इसमें सबसे बड़ी मासिक गिरावट थी। वित्त वर्ष के आखिर में बिकवाली और तेज हो गई क्योंकि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव की वजह से कच्चे तेल की कीमतें सिर्फ तीन महीनों में ही करीब 80 फीसदी बढ़ गईं। इससे भारत में महंगाई, बाहरी संतुलन और वृद्धि को लेकर चिंताएं बढ़ गईं, क्योंकि भारत तेल का एक बड़ा आयातक है। भारतीय शेयर बाजार भी ज्यादातर एशियाई और उभरते बाजारों के मुकाबले पीछे रहे। तेल से जुड़े लगातार दबाव के बीच रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच

गया और बॉन्ड यील्ड भी बढ़ गई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) लगातार बिकवाली करते रहे और वित्त वर्ष 26 में उन्होंने रिकॉर्ड 1.82 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली की। इसकी भरपाई काफी हद तक घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के 8.35 लाख करोड़ रुपये के मजबूत निवेश से हुई, जिसने बाजार में गिरावट को रोकने में मदद की। कमजोर होते रुपये ने विदेशी निवेशकों के रिटर्न को घटा दिया। बॉन्ड यील्ड बढ़ने से इक्विटी की अपील कम हो गई, जिससे बाजार का मूड और भी ठंडा पड़ गया। निफ्टी अब लगातार चौथे महीने गिरा है, जिससे मूल्यांकन कुछ हद तक नरम हो गए हैं। लेकिन ब्रोकरेज फुल अंधी भी सतर्क हैं और इसकी वजह ऊंची एनर्जी कीमतों से जुड़े बढ़ते आर्थिक जोखिमों

को बता रही है। गोल्डमैन सैक्स, सिटी, नोमुरा और यूबीएस जैसी वैश्विक ब्रोकरेज फर्मों ने ग्लोबल पोर्टफोलियो में भारत का भार कम कर दिया है और निफ्टी के लिए लक्ष्य घटा दिए हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि तेल की कीमतें लगातार ऊंची रहने से देश का आर्थिक हिसाब-किताब गड़बड़ा सकता है।

गोल्डमैन सैक्स ने कहा है, लंबे समय तक ऊर्जा की ऊंची कीमतें भारत के लिए आर्थिक संकेतकों को बिगाड़ती हैं। उसने धीमी वृद्धि, भारी महंगाई और चालू खाते के बड़े घाटे के जोखिमों की ओर भी इशारा किया है। ब्रोकरेज फर्म ने 12 महीने के लिए निफ्टी का लक्ष्य घटाकर 25,900 कर दिया है और कैलेंडर वर्ष 26 के लिए आय वृद्धि का अनुमान भी घटाकर 8 फीसदी कर दिया है, जो पहले के अनुमानों से काफी कम है।

उसने यह भी चेतावनी दी कि आय में गिरावट और एआई से होने वाली उथल-पुथल से जुड़ी चिंताओं के कारण विदेशी निवेश की वापसी में देरी हो सकती है। कोटक इंटिग्रेटेड इन्विटीज (केआईई) ने कहा कि हालिया सुधार से बाजार के कुछ हिस्सों में जोखिम-प्रतिफल का संतुलन बेहतर हुआ है, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि स्थितियां एकदम से तेजी वाली नहीं हैं।

केआईई ने एक नोट में कहा, मूल्यांकन में ठीक-ठाक गिरावट के बाद हमें बाजार के ज्यादातर हिस्सों में जोखिम-प्रतिफल का बेहतर संतुलन दिख रहा है।

## रुपये में 12 वर्ष की सबसे बड़ी गिरावट

अनुप्रेक्षा जैन मुंबई, 30 मार्च

वित्त वर्ष 2025-26 रुपये के लिए 2011-12 के बाद का सबसे खराब साल रहा। इसकी वजह विदेशी निवेशकों की निकासी रही जिससे भारतीय मुद्रा 9.85 फीसदी फिसल गई। मार्च में पश्चिम एशिया संकट ने रुपये की मुश्किलें और बढ़ा दीं। इस कारण डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा में करीब 4 फीसदी कमजोरी आई और आखिरी कारोबारी दिन तो प्रति डॉलर 95 का आंकड़ा पर कर गई। केंद्रीय बैंक के दखल के बाद यह 94.81 पर बंद हुई।

इस वित्त वर्ष में केंद्रीय बैंक की दर तय करने वाली कमेट्री ने नीतिगत रीपो रेट में 100 आधार अंकों की कटौती की। लेकिन इसके बावजूद सरकारी बॉन्ड पर यील्ड बढ़ गई। इसकी मुख्य वजह राज्यों की तरफ से आपूर्ति बढ़ना थी। 10 साल के बेंचमार्क सरकारी बॉन्ड पर यील्ड वित्त वर्ष 26 के आखिर में 7.04 फीसदी पर रहा जो जुलाई 2024 के बाद का इसका सबसे ऊंचा स्तर है।

बाजार के जानकारों का कहना है कि इस साल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के साथ-साथ पोर्टफोलियो से पैसों निकलने का अरर रुपये और बॉन्ड दोनों पर पड़ा। साथ ही, राज्यों के अधिक कर्ज

लेने से आपूर्ति ज्यादा रही, जिससे यील्ड में कोई नरमी नहीं आई और उसमें इजाफा होता गया। कर्नेसी की कमजोरी की शुरुआत पूंजी के बाहर जाने से हुई थी, लेकिन बाद में वैश्विक घटनाओं, जिनमें टैरिफ से जुड़े तनाव और ईरान संघर्ष का बढ़ना शामिल है, ने इसमें और इजाफा कर दिया। बाजार के जानकारों का कहना है कि फिलहाल यील्ड में बढ़ोतरी और रुपये में गिरावट ज्यादातर हिस्सा ईरान युद्ध की वजह से है और इसका असर जल्द खत्म होने की संभावना नहीं है।

एक प्राइवेट बैंक के ट्रेजरी प्रमुख ने कहा, मौजूदा वित्त वर्ष काफी हद तक एफडीआई का बाहर जाना अहम बात रही जिसने बॉन्ड और रुपये दोनों पर असर डाला। फिर राज्यों की ज्यादा उधारी ने यील्ड को नीचे नहीं जाने दिया और यह यील्ड के ऊपर जाने का बड़ा कारण बना। उन्होंने कहा, रुपये में गिरावट पहले ट्रंप के टैरिफ संकट और फिर ईरान संकट की वजह से ज्यादा बढ़ गई।

बॉन्ड यील्ड को लेकर उम्मीद थी कि इस साल वह घटकर लगभग 6.80 फीसदी से 6.85 फीसदी के बीच आ जाएगी। लेकिन इसके बजाय वैश्विक अनिश्चितता बढ़ने से यह 7 फीसदी से भी ऊपर चली गई। बॉन्ड और रुपये दोनों को लेकर नजरिया फिलहाल सकारक बना हुआ है। मजबूत डॉलर के माहौल के बीच पूंजी की आवक भी सांभल है।

# तेल के झटकों का जोखिम कम आंक रहे बाजार

पुनीत वाधवा नई दिल्ली, 30 मार्च

विश्लेषकों का मानना है कि बाजार तेल की कीमतों में अचानक उछाल के जोखिम को कम आंक रहे हैं। उनका अनुमान है कि अगर पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध कुछ और महीनों तक खिंचा और इससे खाड़ी क्षेत्र में तेल एवं गैस के प्रमुख बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा तो कच्चे तेल की कीमतें 150 डॉलर के स्तर तक पहुंच सकती हैं। डीवैरे ग्रुप के मुख्य कार्याकारी नाइजल यून ने कहा, 'आंध्र प्रदेश बाजारों में 150 डॉलर प्रति बैरल तक के हालात का अनुमान जताया जा रहा है और विश्व की 20 प्रतिशत तक आपूर्ति हेमोजुम स्ट्रेट में अटक रही है। अगर यह बाधा जारी रही, तो हम 1 से 1.4 करोड़ बैरल प्रति दिन का अनुमानित नुकसान दर्ज करेंगे। बाजार में वैश्विक मांग 10 करोड़ बैरल से थोड़ी ही अधिक है। यह



अंतर आसानी से पाटा नहीं जा सकता।' डीवैरे ग्रुप एक वैश्विक सलाहकार फर्म है जिसके प्रबंधन में 14 अरब डॉलर की संपत्ति है। सोमवार को कच्चे तेल की कीमतें 3 प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर 116 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गईं। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से इनमें लगभग 53 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। जानकारों का कहना है कि कीमतों में हालिया तेजी पिछली बड़े भू-

राजनीतिक संकटों यानी इराक युद्ध और यूक्रेन संघर्ष के दौरान दर्ज बढ़ोतरी से कहीं ज्यादा रही है। उन्होंने कहा कि साथ ही साथ राजनीतिक संकेत भी अनिश्चितता को बढ़ावा दे रहे हैं।

**भारत पर असर**  
इलारा कैपिटल के विश्लेषकों का कहना है कि जब कच्चे तेल की कीमतें 110 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर होती हैं तो रिटेल फ्यूल की कीमतों में बढ़ोतरी को टाला नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि एक्सट्राजिट ड्यूटी में कटौती के बाद भी अगर कच्चे तेल की कीमतें 125 डॉलर हुईं तो रिटेल कीमत में लगभग 8 से 14 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी करनी होगी।

इलारा कैपिटल के गगन दीक्षित, अमोघ देशपांडे और कालिंक भंडारी ने हाल में एक नोट में लिखा, कीमत 150 डॉलर होने पर बढ़ोतरी 26-30 रुपये प्रति लीटर करनी पड़ सकती है।

## बाजार में ओपन पोजिशन पर सीमा

### बैंक निफ्टी 4 फीसदी फिसला

सुब्रत पांडा मुंबई, 30 मार्च

बड़े बैंकों के शेयरों में सोमवार को भारी गिरावट देखने को मिली, जिससे बैंक निफ्टी करीब 4 फीसदी नीचे आ गया। वहीं, व्यापक बाजार भी 2.14 फीसदी नीचे रहा। यह गिरावट भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के एक अत्याशित कदम के बाद देखने को मिली, जिसमें देसी विनिमय बाजार में बैंकों की 'शुद्ध ओपन पोजिशन' (एनओपी) की सीमा 10 करोड़ डॉलर तय कर दी गई है। इस कदम से चौथी तिमाही में बैंकों को 'मार्क-टु-मार्केट' (एमटीएम) में 3,000 से 4,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है क्योंकि अनुमान है कि बैंकों की बकाया पोजिशन काफी बड़ी यानी करीब लगभग 30 से 40 अरब डॉलर है।

शुक्रवार को जारी यह निर्देश (जिसका अनुपालन 10 अप्रैल तक किया जाना है) ऐसे समय में आया है जब डॉलर पर लंबी अवधि का दाव काफी बढ़ गया था।

विश्लेषकों का कहना है कि यह कदम शायद अमेरिकी डॉलर के मुकाबले घरेलू मुद्रा में आई भारी गिरावट और ऑफशोर (एनडीएफ) तथा देसी बाजारों के बीच बढ़ते अंतर के कारण उठाया गया हो। जब बाजार में उतार-चढ़ाव कम होता है तो ऑफशोर और ऑनशोर बाजारों में डॉलर-रुपये अनुबंध के लिए 3 महीने आगे का स्प्रेड काफी कम यानी 5-15 आधार अंक के दायरे में होता है। हालांकि जब भी उतार-चढ़ाव बढ़ता है तो स्प्रेड भी बढ़ जाता है। 2025 में यह 30-50 आधार अंक तक पहुंच गया था और अब (पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और तेल-गैस की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण) यह 75-90 आधार अंक तक पहुंच चुका है। जेफरीज ने सोमवार को एक नोट में कहा, हम समझते हैं कि फ्रॉरेक्स डेरिवेटिव बाजार पर बड़े बैंकों एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक और भारत में काम कर रहे प्रमुख विदेशी बैंकों का दबदबा है।

## शेयरधारकों को ओएफएस में हिस्सा बेचने के लिए एनएसई का आमंत्रण

खुशबू तिवारी मुंबई, 30 मार्च

नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने विवरणिका मसौदा (डीआरएचपी) जमा कराने की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। उसने लंबे समय से प्रतीक्षित आर्भिक सार्वजनिक निर्गम में मौजूदा शेयरधारकों को अपने शेयर बेचने के लिए आमंत्रित किया है। शेयरधारकों को भेजे एक संदेश एनएसई ने कहा है कि उसके निदेशक मंडल ने बीती 6 फरवरी को 'ऑफर फॉर सेल' (ओएफएस) के जरिए सार्वजनिक सूचीबद्धता का योजना को मंजूरी दे दी है। इसके कुछ चरण निवेशक अपनी होल्डिंग्स का कुछ हिस्सा या पूरी होल्डिंग्स बेच सकते। शेयरधारकों को प्रस्तावित शेयर बिक्री में हिस्सा लेने की अपनी इच्छा आगामी 17 अप्रैल तक बतानी होगी।

ओएफएस में हिस्सा लेने की पाठना इस बात पर निर्भर करती है कि शेयरधारकों ने डीआरएचपी जमा कराने से कम से कम एक वर्ष पहले तक अपने शेयर लगातार अपने पास रखे हुए हों। हालांकि डीआरएचपी जमा कराने की तारीख अभी तय नहीं हुई है। लेकिन एनएसई ने अपनी अनुमानित समय-सीमा के आधार पर 15 जून, 2025 को कट-ऑफ तारीख रखा है।

नियामकीय नियमों के तहत शेयर बेचने वाले शेयरधारकों को निवेशक के तौर पर आईपीओ में आवेदन करने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा, उनकी बची हुई प्री-ऑफर शेयरहोल्डिंग पर लॉक-इन की शर्तें लागू होंगी। प्रतिभागियों को सेबी के इश्यू ऑफ कैपिटल ऐंड डिस्कलोजर रीग्यूलेशन मेंट (आईसीडीआर) नियमन, 2018 और कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों का पालन करना होगा। सूत्रों के अनुसार एनएसई का मूल्यांकन 4 से 6 लाख करोड़ रुपये के बीच होने की संभावना है, जिससे वह भारत की सबसे मूल्यांकन सूचीबद्ध कंपनियों में से एक बन सकती है। यह आईपीओ पूरी तरह से ओएफएस होगा।

## वाराणसी औरंगाबाद एन.ए.-2 टोलवे प्रा0 लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय - 5 वीं मंजिल, ब्लॉक 2, वाटिका बिज़नेस पार्क, सेक्टर 49, गुरुग्राम - 122101  
800+000 किमी (डाफ़ी), 860+000 किमी (मोहनिया) एवं 907+100 किमी (सासाराम) के टोल प्लाजा पर संशोधित उपयोगकर्ता शुल्क (टोल) दरों के संबंध में सार्वजनिक सूचना जो 01.04.2026 से लागू होगी।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एन.ए.ए.आई के दिनांक 28.03.2026 के पत्र के माध्यम से संशोधित उपयोगकर्ता शुल्क दरों की स्वीकृति के अनुसार, NH2 के किमी 786.00 से किमी 978.400 (वाराणसी-औरंगाबाद) तक के खंड के उपयोग के लिए उपयोगकर्ता शुल्क दरों को 01.04.2026 से निम्नानुसार संशोधित कि जा रही है। उत्तर प्रदेश राज्य में डाफ़ी टोल प्लाजा (बेनेज : 800+000 कि.मी. , ग्राम डाफ़ी, जिला वाराणसी), बिहार राज्य में मोहनिया टोल प्लाजा (860+000 कि.मी. , ग्राम डिडिखिली, जिला कैमूर) और बिहार राज्य में सासाराम टोल प्लाजा ( 907+100 कि.मी. , ग्राम मालबाग गेट, जिला रोहतास)।

टोल प्लाजा	डाफ़ी टोल प्लाजा		मोहनिया टोल प्लाजा		सासाराम टोल प्लाजा	
	एकल यात्रा का शुल्क	एक ही दिन के भीतर वापसी यात्रा का शुल्क	मासिक पास का शुल्क 50 यात्राओं के लिए माच्य	एकल यात्रा का शुल्क	एक ही दिन के भीतर वापसी यात्रा का शुल्क	मासिक पास का शुल्क 50 यात्राओं के लिए माच्य
वाहनों की श्रेणी						
कार, जीप, वैन या हल्का मोटर वाहन	85	130	2855	65	100	2210
हल्का कर्माधिकार वाहन, हल्का माल वाहक या गा मिनी बस, ट्रैक्टर वाट	140	210	4610	105	160	3570
ट्रक/बस (दो एक्सल)	290	435	9665	225	335	7485
मार्गे निर्माण मशीनरी (HCM) या अर्थ मूविंग उपकरण (EME) या मल्टी एक्सल वाहन (3 से 6 एक्सल)	455	680	15155	350	530	11740
अत्यधिक बड़े वाहन (सात या अधिक एक्सल)	555	830	18450	430	645	14290

(i) टोल प्लाजा से 20 km की दूरी के भीतर रहने वाले स्थानीय गैर वाणिज्यिक वाहनों (कार/जीप/वैन) के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु लागू मासिक पास (कैलेंडर माह) की दरें रु. 360/-होगी।  
(ii) वर्ष 2026-27 के लिए वार्षिक पास रु. 3075/-होगा, उस व्यक्ति के लिए जो गैर-वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए पंजीकृत यांत्रिक वाहन स्वामी है, यह शुल्क 01.04.2026 से लागू होगा, जैसा कि एनएचआई सुखालय के सीओ डिवीजन के पत्र संख्या 12.03.2026 के अनुसार है।

- ऊपर बताई गई उपयोगकर्ता शुल्क (टोल) की दरें केवल फास्टेज के जरिये ही वसूली जायेंगी। (MoRTH OM No. H-20516/02/2020 -टोल तारीख 13 फरवरी 2021 और एन.ए.ए.आई. Circular no. NHAI/100%/ETC/2020, तारीख 14.02.2021 देखें)।
- एन.ए.ए.आई. की नीति दिशानिर्देशों/वाणिज्यिक संचालन/2025 नीति परिपत्र संख्या 17.5.92/2025 दिनांक 15 अक्टूबर 2025 के अनुसार, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने G.S.R.734(E) दिनांक 03.10.2025 के माध्यम से राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क नियम 2008 में संशोधन किया है। इस संशोधन के तहत, ऐसे वाहन उपयोगकर्ताओं को- जिनके पास फास्टेज नहीं है या (जो भी मामला हो) वेधे और कार्यरत फास्टेज नहीं है। 4 के उप-नियम (2) के अन्तर्गत इस श्रेणी के वाहन पर लागू शुल्क की 1.25 गुना दर से, UPI के माध्यम से लागू शुल्क युगलान करने की अनुमति दी गई है।
- उपर्युक्त टोल प्लाजाओं पर निम्नलिखित रियायतें उपलब्ध हैं।  
(i) सभी श्रेणियों के वाहनों के लिए भुगतान के समय से 24 घंटे के भीतर वापसी यात्रा (देय राशि एकरकार यात्रा के शुल्क का डेढ़ गुना होगी) (यह सुविधा केवल फास्टेज पर उपलब्ध है)।  
(ii) सभी श्रेणियों के वाहनों के लिए, भुगतान की तारीख से एक महीने के भीतर अधिकतम 50 एकल यात्राएँ (देय राशि 50 एकल यात्रा के लिए देय शुल्क की राशि का दो तिहाई होगी) (यह सुविधा केवल फास्टेज पर उपलब्ध है)।  
(iii) वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए, टोल प्लाजा से 20 km के दायरे में रहने वाले गैर-वाणिज्यिक वाहनों हेतु रु. 360/- प्रति कैलेंडर माह की दर से पाया।
- छूट प्राप्त वाहनों की सूची दिनांक 16.06.2011 की शुल्क शुल्क अधिसूचना, MoRTH अधिसूचना संख्या G.S.R. 585(E) दिनांक 08 जून 2016 और G.S.R. 838(E) दिनांक 05 दिसम्बर 2008 में दिये अनुसार है।  
वह वाहन, जिसमें निर्धारित भार से अधिक भार लदा हो, उस दर पर शुल्क का भुगतान करेगा जो यांत्रिक वाहनों की अगली उच्च श्रेणी के लिए लागू है और राजमार्ग का उपयोग करने के लिए अतिरिक्त भार को हटायेगा। (संदर्भ CA का खण्ड 27.10)।
- 30.07.2010 के रियायत करार के अनुसार, रियायत अवधि 11 सितम्बर 2041 को समाप्त होगी।
- गजट में प्रकाशित दिनांक 16.06.2011 की शुल्क अधिसूचना, रियायत करार (Concession Agreement) के प्रावधानों के अनुसार संशोधित दरों की स्वीकृति संबंधी एन.ए.ए.आई. के दिनांक 28.03.2026 के पत्र को देखने के लिए वेबसाइट <http://tis.nhai.gov.in> का अवलोकन किया जा सकता है।
- किसी भी पृष्ठता/शिकायतें/सुझाव देने के लिए नाम और पता निम्नानुसार है।

विवरण	रियायतग्राही	स्वतंत्र सलाहकार	भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
प्रतिनिधि का नाम	श्री बी. डी. कौशिक	श्री प्रमुनाथ ओझा	श्री आर. के. वर्मा
पता	वाराणसी औरंगाबाद एन एच-2 टोलवे प्रा0लि0 नियर आर.ए.एस. पब्लिक स्कूल, सीर गावर्न, डाफ़ी, जिला वाराणसी उ.प्र. - 221005	मॉ सावित्री गैस एजेंसी एस्प्री जेन कॉलेज के पास, वीर कुँवर सिंह कॉलोनी, एन.ए.च. कार्यालय, रोहतास - 821113 (बिहार)	भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, परियोजना संचालन एंड ऑपरेशन, सासाराम, सौरभ सर्विस सेंटर के पास, ग्राम व पोस्ट - मोहरसराय, जिला-रोहतास (बिहार) - 821113(बिहार) E-Mail-piusasaram@nhai.org
मोबाइल नं.	+91-7011176850	+91-92162627213	+91-8130006227

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSE ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. THIS IS NOT FOR RELEASE, PUBLICATION OR DISTRIBUTION DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA



Our Company was originally incorporated on August 08, 1991 as a Private Limited Company in the name and style of 'Madhuri Exports Private Limited' under the provisions of the Companies Act, 1956 vide Certificate of Incorporation bearing CIN: U51909WB1991PT0052642 issued by the Registrar of Companies, Kolkata. Further, our Company was converted into a Public Limited Company pursuant to Special Resolution passed by the shareholders of our Company at the Extra-Ordinary General Meeting held on October 28, 2025, and consequently the name of our Company was changed from 'Madhuri Exports Private Limited' to 'Madhuri Exports Limited' and a fresh certificate of incorporation dated December 01, 2025 pursuant to conversion from Private Limited Company to Public Limited Company was issued by the Registrar of Companies, Central Registration Centre bearing CIN: U51909WB1991PL0052642. For details of change in the name of our Company and address of registered office of our Company, see "History and Certain Corporate Matters" on Page No. 236 of this Draft Red Herring Prospectus.

Registered and Corporate Office : Park Plaza 71, Park Street, Room- 7A & B, 7th Floor, Kolkata, West Bengal, India 700016  
Contact Person : Aditya Vikram Fogla, Tel:+91 9874369508, Mail: cs@madhuriexports.com, Website: www.madhuriexports.com | Corporate Identity Number : U51909WB1991PL0052642

**OUR PROMOTERS : Mr. Sumit Dhandhania, Mr. Mahesh Kumar Dhandhania and Mr. Namit Dhandhania**

THE ISSUE IS BEING MADE IN ACCORDANCE WITH CHAPTER IX OF THE SEBI (CDR REGULATIONS) IPO OF SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES) AND THE DRAFT RED HERRING PROSPECTUS ('DRAFT RED HERRING PROSPECTUS') DATED MARCH 27, 2026 HAS BEEN FILED WITH THE SME PLATFORM OF NATIONAL STOCK EXCHANGE (NSE EMERGE).

INITIAL PUBLIC OFFERING OF UP TO 47,34,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH ('EQUITY SHARES') OF OUR COMPANY FOR CASH AT A PRICE OF ₹ 10 PER EQUITY SHARE (INCLUDING A SHARE PREMIUM OF ₹ 10 PER EQUITY SHARE) ('OFFER PRICE') AGGREGATING UP TO ₹ 473.44 LAKHS (THE 'OFFER') COMPRISING A FRESH ISSUE OF UP TO 47,34,000 EQUITY SHARES AGGREGATING UP TO ₹ 473.44 LAKHS BY OUR COMPANY (THE 'FRESH ISSUE' OF WHICH UP TO EQUITY SHARES AGGREGATING TO ₹ 473.44 LAKHS WILL BE RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY MARKET MAKER TO THE OFFER (THE 'MARKET MAKER RESERVATION PORTION'), THE OFFER LESS MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E., NET OFFER OF UP TO EQUITY SHARES AT AN OFFER PRICE OF ₹ 10 PER EQUITY SHARE AGGREGATING TO ₹ 473.44 LAKHS IS HEREAFTER REFERRED TO AS THE 'NET OFFER'. THE OFFER AND THE NET OFFER WILL CONSTITUTE ( )% AND ( )%, RESPECTIVELY OF THE POST OFFER PAID UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY. THE PRICE BAND AND THE MINIMUM BID LOT WILL BE DECIDED BY OUR COMPANY IN CONSULTATION WITH THE BOOK RUNNING LEAD MANAGER AND WILL BE ADVERTISED IN ALL EDITIONS OF ( ) (A WIDELY CIRCULATED ENGLISH NATIONAL DAILY NEWSPAPER), ALL EDITIONS OF ( ) (A WIDELY CIRCULATED HINDI NATIONAL DAILY NEWSPAPER), AND ALL EDITIONS OF ( ) (A WIDELY CIRCULATED BENGALI REGIONAL DAILY NEWSPAPER), (BENGALI BEING THE REGIONAL LANGUAGE OF THE STATE OF WEST BENGAL, WHERE OUR REGISTERED OFFICE IS LOCATED), AT LEAST TWO WORKING DAYS PRIOR TO THE BID/OFFER OPENING DATE AND SHALL BE MADE AVAILABLE TO SME PLATFORM OF THE NATIONAL STOCK EXCHANGE ('NSE EMERGE') FOR THE PURPOSES OF UPLOADING ON THEIR WEBSITE IN ACCORDANCE WITH THE SEBI (CDR REGULATIONS).

In case of any revision in the Price Band, the Bid/Issue Period shall be extended for at least three additional Working Days after such revision of the Price Band, subject to the total Bid/Issue Period not exceeding 10 Working Days. In cases of force majeure, banking strike or similar circumstances, our Company, for reasons to be recorded in writing under the Bid/Issue Period for a minimum of three Working Days, subject to the Bid/Issue Period not exceeding 10 Working Days. Any revision in the Price Band, and the revised Bid/Issue Period, if applicable, shall be widely disseminated by notification to the Stock Exchanges by issuing a press release and also by indicating the change on the website of the BRLM and at the terminals of the Members of the Syndicate and by intimation to Designated Intermediaries and Sponsor Bank.

The Offer is being made through the Book Building Process, in terms of Rule 19(2)(b)(i) of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, as amended ("SCRR") read with Regulation 253 of the SEBI (CDR Regulations), as amended, wherein not more than 50% of the Net Offer shall be allocated on a proportionate basis to Qualified Institutional Buyers ("QIBs", the "QIB Portion"), provided that our Company may, in consultation with the Book Running Lead Managers, allocate up to 60% of the QIB Portion to Anchor Investors on a discretionary basis in accordance with the SEBI (CDR Regulations) ("Anchor Investor Portion"), of which one-third shall be reserved for domestic Mutual Funds, subject to valid Bids being received from domestic Mutual Funds at or above the Anchor Investor Allocation Price. In the event of under-subscription, or non-allocation in the Anchor Investor Portion, the balance Equity Shares shall be added to the Net QIB Portion. Further, 3% of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis only to Mutual Funds, and the remainder of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to all QIBs, including Mutual Funds, subject to valid Bids being received at or above the Offer Price. However, if the aggregate demand from Mutual Funds is less than 5% of the Net QIB Portion, the balance Equity Shares available for allocation in the Mutual Fund Portion will be added to the remaining Net QIB Portion for proportionate allocation to QIBs. Further, not less than 15% of the Net Issue shall be available for allocation on a proportionate basis to Non-Institutional Bidders and not less than 35% of the Net Issue shall be available for allocation to individual investors in accordance with the SEBI (CDR Regulations), subject to valid Bids being received at or above the Offer Price. All potential Bidders (except Anchor Investors) are required to mandatorily utilize the Application Supported by Blocked Amount ("ASBA") process providing details of their respective ASBA accounts, and UPI ID in case of RBIs using the UPI Mechanism, if applicable, in which the corresponding Bid Amounts will be blocked by the SCBSs or by the Sponsor Bank under the UPI Mechanism, as the case may be, to the extent of respective Bid Amounts. Anchor Investors are not permitted to participate in the Offer through the ASBA process. For details, see "Offer Procedure" beginning on page 417 of this Draft Red Herring Prospectus.

This public announcement is made in compliance with the press release PR No. 36/2024 on December 18, 2024 of 2026 SF Meeting on "Review of SME Framework under SEBI (CDR) Regulations, 2018 and applicability of corporate governance provisions under SEBI Regulations, 2015 on SME Companies. The Draft Red Herring Prospectus filed with the SME Platform of National Stock Exchange of India Limited ("NSE EMERGE") shall be made available to the public for comments, if any, for a period of at least 21 days, from the date of such filing by hosting it on the website of the NSE at <https://www.nseindia.com>, and the website of the Company at [www.madhuriexports.com](http://www.madhuriexports.com), and at the website of BRLM i.e., Affinity Global Capital Market Private Limited, [www.affinityglobalcap.in](http://www.affinityglobalcap.in). Our Company hereby invites the members of the public to give their comments to Stock Exchange, to Company Secretary and Compliance Officer of our Company and the BRLM at their respective addresses mentioned below. All comments must be received by NSE EMERGE and/or our Company and/or BRLM in relation to the issue on or before 5 p.m. on the 21st day from the aforesaid date of filing the Draft Red Herring Prospectus with NSE EMERGE. Investments in Equity and Equity related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in this Offer unless they can afford to take the risk of losing their entire investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in the Offer. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of our Company and the Offer, including the risks involved. The Equity Shares issued in the Offer have not been recommended or approved by the Securities and Exchange Board of India ("SEBI"), nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the contents of the Draft Red Herring Prospectus. Specific attention of the investors is invited to the Section titled "Risk Factors" beginning on page 39 of the Draft Red Herring Prospectus. Any decision to invest in the Equity Shares described in the Draft Red Herring Prospectus may only be made after the Red Herring Prospectus ("Red Herring Prospectus") has been filed with the RoC and must be made solely on the basis of such Red Herring Prospectus as there may be material changes in the Red Herring Prospectus from the Draft Red Herring Prospectus. For details of the main objects of the Company as contained in its Memorandum of Association, see "History and Certain Corporate Matters" on page 236 of the Draft Red Herring Prospectus. The liability of the members of the Company is limited. For details of the share capital and capital structure of the Company and the names of the signatories to the Memorandum of Association and the number of shares subscribed by them see "Capital Structure" on page 101 of the Draft Red Herring Prospectus.

The Equity Shares of our Company offered through this Draft Red Herring Prospectus are proposed to be listed on the Emerge Platform of National Stock Exchange of India Limited in terms of the Chapter IX of the SEBI (CDR) Regulations, 2018 as amended from time to time. For the purpose of this Offer, National Stock Exchange of India Limited shall be the Designated Stock Exchange.

BOOK RUNNING LEAD MANAGERS	REGISTRAR TO THE ISSUE
<b>Affinity Global Capital Market Private Limited</b> 20B, Abdul Hamid Street, East India House, 1st Floor, Room No. 1F, Kolkata - 700069, West Bengal, India Telephone: +91 34	